
कविकुलगुरु - कालिदास - संस्कृत - विश्वविद्यालयः

ल ४

स्वरो० १

श्रीगणाधिपतयेनमः अथज्ञानस्वरोदयचरणदासकृ
तंलिख्यते नमोनमोसुषदेवजीपरिणामकरौअनंत
गुणप्रसादस्वरभेदकेचरनदासवरनंत परमोत्तमपरमा
त्मापूरणाविश्वावीस आदिपुरसअवचैगुहीमोहिनि
वाऊमीस १ कुंडलीया अक्षरजैलोकहतहैअ
क्षरसोहिजानि निहअक्षरस्वासारहितताहिकौम
नआन २ ताहिकौमनआनराजदिनस्वरजलगावौ
आपाआपविचारऔरनासीसनिवावो चरणदा
समथैहतहेआगमनिगमकीघ येहिवचनब्रह्मः

का १

सी १

ज्ञानकामानेोविस्वावीस २ कुंडलीया ॐसोकायाभई
सोहंसोम्पनहोय निहअक्षरसोस्वासाभई चरणदास
मलजोय चरणदासमलजोयपेचमनकातेरोषो क्षर
अक्षरनिहअक्षरएकदुविधानाबीजवरसेएककहि
एकभेषपहसभीनिहारो ४ स्वासासोहोहंभयोसोहं
ॐकार ॐसोररा भयोसाधोकरोविचार साधोकरोवि
चारउलटघरअपनेआवो घटघटब्रह्मअनूपस
मिटकरतहासमायो चारभेदकाभेदहैगीताकाहैजी
व चरनदासलषेआपकोनोमनतेरेपीव ५ दोहा स

४

स्वरो०
२

वजोगन कौजोगहैसवज्ञानन कौज्ञान सर्वसिधकौ
सिध्दहैतत्वस्वरनकौध्यान ६ ब्रंह्मज्ञानकौजापहै
अजपासोहंसाध परमहंसकोईजाननहैताकोमत
अगाध ७ भेदस्वरोदेसौलहैसोलहैसमझोस्वासकुसा
स भलीबुरीनामेलषैपवनसुरजप्रगास ८ सुषदेवगु
रुकीरुपाकरीदीयोस्वोरोदयज्ञान जबसोयहजानीपरी
लोभहोकैहान ९ इडापिंगलासुषमनानाडीतीनविचा
र दहनेबावैसुरचलेलषेधारनाधार १० पिंगलादहा
नेअंगहैईसुबावैहोई सुषमनाकेबीचहैजबस्वर।
३।१

चालेहोई ११ जबसुचालैपिंगलानिहिमधीसूरजवास ३

जासुवावेश्रंगहैचंद्रकारनपरगास १२ उँदश्रस्तिनिके

लषनिगमसुरगमसिद्ध श्रोरूपावैतहवरनकौजवैहो

वैवसिध १३ सुषदेवकहेचरनदाससोंथिरचरसुरप

हिचान थिरकारजकोचंद्रमाचरकारजकौभांन १४

कस्नपक्षजवहीलगेजायमिलनहैभान सुकलप

सहैचंद्रकोपहिनिहिचैजानि १५ मंगलश्रोरइतवार

दिनश्रोरसनीचरलीन शुभकारजकोमिलनहैसूर

जकेदिनतीन १६ सोमवारसुकभलोवुधव्रहस्पतिर

स्वरो०
३

कौदेष चंद्रजोगमैसुफलहैचरणदासविसेष १७ ति
थश्रौरविचारकर देहनौवावौश्रागचरनदासकहैसुर
जोमिलैसुभकाजपरंज १८ क्रस्नपक्षकेश्रादहीती
नतिथ्यलगभांन फिरचंदाफिरभानहैफिरचंदाफिरभां
न १९ शुकलपक्षकेश्रादिहितिनतिथ्य लगचंद
फिरसूरजफिरचंदहैफिरसूरजफिरचंद २० सूरजकी
तिथ्यमैचलैजोसूरजपरगास सुषदेहीकोकरतहैलाः
भलाभहुलास २१ सुकलपक्षचंदाचलैपउवालेह
निहारफलश्रानंदमंगलकरैदेहीकोसुषसार २२

सुकलपक्षतिथमेचलैंजोपड्वाकोभान होयकलेसपीडा

कछूकेदुषकैकछूहान २३ सूरजकीतिथमेचलैजोप

ड्वाकोचंद्र कलहकोपीडाकौरहांनतापकेदंद ३४ रूपर

वामेसामनेसुरवामेकेसंग ममभैसुभकामसिजोगमैनो।

नीकोपरसंग २५ नीचैपीछेदाहनैसुसरजकोराज जो

कोइपूछैन्द्र्यापकरनोममभैसुभकाज २६ दहनोसुरजच

सु ३ लतैहपूछेवावैत्र्यांग [illegible]फलपवसनहीवाइहेमोनि

रफलपरसंग २७ जोकोईपूछैत्र्यायकरवैठदाहिनै।

त्र्यार चंद्रचलेसूरजनहीनहीकारजविधकोई २८

जो मूरत मैं सूर चलै कहै होय पिनै आय लगन चार अरु औ

४ रतिथ मिलै कहै लो कास्त्र होइ जाय ३० जो चंद्रा मैं सूर चलै

पावै पूछै काज तिथ और अक्षर चार मिलाइ सुभकार

जकौ सो जाइ सात पाच नव जीगिन पंद्रा और पचीस

कारज वचन असर गिनै भाव जोग को देस ३१ चार आठ

द्वादस गिनै चौदा सोला मांज चंद्र जोग कै संग है चरन ह

सरन जान ३२ कार्क मेष तुला मकर चर चारो च जीगस

सूरज सो चारो मिलन न्चर कारज परगास ३३ मीन मि

थुन कंन्या काही चोथो और धन मांज द्विसुभाव को

सुषमनामुरला सुररन तीन ३४ वछकसिंहव्रषकुंभपु
न धावै सुरकेसंग चंदजोगकौमिलन है थिरकारजमहं
ग ३५ चित्तआपनोस्थिर करौ नासा आगे नैन स्वासा
देषि दिसो जव पावै स्वरवेन ३६ पांच घडीचौचलै
आपनी आपनीवार पांचनत्तचालेमिलैवीचलैहनि
हार ३७ धरनी और आकास है औरनी सरीपौन पा
नीपावकपाचयौ कर स्वास मैगेन ३८ धरनीजीमौहीचलै
औरपियरोसंगदेष बारह आंगुलस्वासमैस्वरतनिरतक
रदेष ३९ ऊपरकौपावकचलै लाल वरनहै भेष

पा ८

मे १

वारसुअंगुस्वासै [illegible] चरनदासअौरेष ४० नीचेकौपानीच

५ लैस्वतरांगहैनास सौलाअंगुलस्वासमैचरनदासकहैमास

४१ हरारंगहैवायकौनिरखीचालैसाय आठसुअंगुल

स्वौमे [illegible]रन[illegible] जीनमीकाजोय ४२ सुरदोनोपूरनचलैवा

हनाभगास स्यामरंगहैनासकौमोइनंजअकास ४३ जल

पीरथीकेतत्वमैजोकोइकहैवात समिपरजोस्वरचलैक

हौकारजहोइजात ४४ पावकअोरअाकासपुनवाय

कमीजोहोइ ४५ जोकोइपूछैअापकारसुभकाजनही

होय ४५ जलपरथिथिरकारजकोचरकारजकोनाहि

अग्नवापथिरकाजवै [illegible] ।कोदहनेस्वरकेमा
ह ४६ रोगीकीपूछैकोईवैठचंदकीओर परनीवावैस्वर
चलैमरैनाहिविषकोई ४७ वहनेसुरसोआयकरसु
न्नऔरजोआय ५ रोगीकोमसंगजोवावैपूछैआय चंद
वंधसरजचलैजीवैनावोजान ४८ ५जोपूछैमसंगवह
रोगीनाठहराय ४९ सुन्नऔरसोंआयकरपूछैवहजो
स्वास यहनाहवैकरजानीयेरोगीनाहीनास ५० सुन्नऔ
रसोआयकरपूछैवहतेपछ जेनेकारजजगतकेसुफ
लहोयवहुसच ५१ वहनेसुरपरआयकरजायपूछैस

स्तो० ६

न्नश्रोर जेतेकारजजगतकेउलटेहोयविधकोर ५२ कैवावेकेदाहनैजोकोईपूछैनहोय छछैहरनश्रोरही कारजहरनसोय ५३ वासएककाफलकहौतत्वमतजा नौसोय कालसमैमोमाईत्वपैजोभलोजगहोय ५४ चौ पई सकातपुनमेघविचारोतादिनलगैसोघटनिहारे नव हीसुरमेकरैविचारचलैकौनसातत्वनिहार ५५ जोवावै सुरपारथीहोईनीकौनावकहावे सोयदेसश्रोरसमाव ३ न्न नावै ५६ परजोसुषीमेहवरसावे चाराबहुतठोरनकौ ऊपजैनरदेहीकोश्रन्नवेबहूनिपजै जलचालेवावैसु

धरनीफलेमेहवरसाही

म १

रमाही ५७ आनदमंलसौजगरहैआपनत्वसंदामैवहै जल
मथीदोनोसुमाईचरनदाससुषदेववताई ५८ तीनतत्व
काकहौविचारा सुरमैनानेदनिहारा लगेमेषसंक्रांत
जवहीं लगनतिथघरीविचारौजवहीं ५९ अगनतत्व
सुरमेजोचालै रोगदोषमेपरजाहालै कालपरेथ्योरो
सोवरसै देसभंगजोपावकदरसै ६० वायतत्वचालै
सुरसंगा जगमयमानेहोयकछूरंगा अर्धकालथो
रोसोवरसै वायतत्वजोसुरमेदरसै ६१ ततत्मकास
सचालैदोइमेहनवासैअन्ननहोई कालपरैत्रिन ६०

७

पैहैनाहीतत्त्व आकासहोयखरमाही ६२ दोहा चैतम।
हीनामध्यमैजवहीपडवाहोय सुकलपछजासिनलगै
मानखाससैमैजोय ६३ भोरहीपडवाजोलपैमथीहोयसु
थान होयसमोपरजासुषीराजासुषीनिदान ६४ नीच
लैजोचंद्रहैमैपहीसमैकीजीन मेहवरसैपरजासुषीसं
वतनीकौमीन ६५ मछीपानीसम्म जोवहेचंदस्थान
रहनैसुरमैजोवहैसमैासुमध्यमजान ६६ भोरहीजो
सुषमनाचलैराजाहोयउजपात देषनहारोविनसैहै
औरकालपरजात ६७ राजाहोयउतपातपुन

पेरेकालविसवास मेहन हीपरजादुषीजोयहतत्वप्रका
काश ६८ दहनेस्वरपावकचैलपैडेकालजवजान
रोगहोयपरदुषीघंटेराजकौमान ६९ भयकलेसहोय
देसमयचीग्रहफलैअनंत पडेकालपरजादुषीचलै
वापकैानतर ७० संक्रातिओरमेषकैादीनोभेदलषा
षाय जगतकाजअवकहत हैचंदासुरकौन्याय
७१ चैापई विवाहदानतीरथजोकरैवलामूप
नघरपगधारै वाबसुरमेरसभकीजपोथीपुस्तका
जोलिषलीजे ७२ जोमाम्पासओरकीजप्रीतओ

षटवाडीकीजैमीज रछ्यामंनरवोवैनाजचंदजोगाथि
रवैठाज ७३ चंदजोगमेंश्रस्थिरजानौथिरकाराज
सवहीपहिचानौ कौरहवेलीछपरछावैवागवगेचा
गुफावनावै ७४ हाकिमजायकोटमैपैठै चंदजोग
श्रासनपगवैठै चरनदासमुषदेववतावैचंदजोग
गथिरकाजकहावै ७५ दोहा वावैसुरकेकाजये
सोभेदीरवनाय रहनैसुरकैकाहतहोज्ञानसवाए
दैगाय ७६ चौपई जोषांडोकरलीयोचाहेजा
यकेवैरीकुपरवाहै मुषवादरनजीनैसोई रहनै

धरतीकैधरतीकैनीर ४१ पावककैऔरस्त्रकाषतजबाय
नतजोहोय कछूकाजनहीकीजीयैरनमैवरजौतोहि
४२ दहनैसूरजचलतहैकहींजायजोकोय तीनप
गम्राग्रैधैरसूरजकौदीनहोय ४३ वावैस्वरमैजाइयैर
वावैपगाध्यरचार वावीएडीपहलेधरैहोयचंदकोवार
४४ दहनैस्वरमेजोचलैदहनीएडीधरतीन वावै
सुरमैचारएडीवावीकरमवीन ४५ गर्भवतीकेगर्भकी
जोकोईपूछैआप वालकहोयकैवालकीजीवैकै
मरजाय ४६ मस्पावाकहोनकीजोकोईपूछैतोप

१५ बांमेकहिजैछोकारीदहिनोबेटाहोय ४७ दहनेसुरके
चलतनहीजोवहपूछैआय वाकोवाबोसुरचलैवाल
कहोयमरजाय ४८ दहनेसुरकेचलतनहीजोवहपूछै
वैन वाहूकोदहनोचलैवालकहोयसुषचैन ४९
बांवेसुरकैचलतनहीआयकहेजोकोय वेटीहोय
जीवैनहीवाकोदहनौहोय ५० बांवेसुरकेचलतनही
जोवहपूछैवात वाहूकोबांवेचलैवेटीहोपकुसला
त ५१ दोनौसुरसुषमनचलैवाकोसुषमनहोय क
हैगर्भकीआपकरहोयनिपुंसकसोय ५२ तेरेजोसु

रसुषमन चलेवाकेसुषमनहोय षछनहारैसोकहो॥ वालकरूपजैहोय ५३ ननञ्रकामकेचलहीजोकोई षछैञाय छायाहोहोवाटैनहीपेटमाहिविलिजाय ५४ जोकछूपछैञाय करयाकोगर्भकनाहि रहना वावासरलपैसाधस्वासकेमाहि ५५ बंधञौरजो॥ आयकरसहपछैजोकोप बंधञौरगर्भहैवहजेसुरन हिहोय ५६ ईडापींगलासुषमनानाडीकहि जैतीन सुरजचंदविचारकोरहास्वासलालीन ५७ जैसैक छुवासीमनकरञापहिमापमाहि ञैसेज्ञानीस्वास

१६

मैरैहैसुरतलौलाय ५८ स्वासा बारा कोड की आवजा
ननरलाय बीतजापस्वासासभैतमीमृतगहोय ५९ दू
कीमहत्जाराख्यमैचालैरातदिनाजोस्वास वीसासौ।
जीवैवरसहोयअघनकौनास ६० अकालमृतको
यीमरैहोयकरमृगतेमृत स्वासाजाहिवीतैसमीजव
आवैजमदूत ६१ चौरैसंजमसाधकरस्वासाजुमव
लाय अकालमृतआवैनहीजीवैपूरीआय ६२
छुछमभोजनकीजैपेरहिथैनापडैसोय जलधारा
सापीजियैवहुतवोलमततघोय ६३ कुंमोसमुक्र

::जोनिरंजननामहं मैदेहह अध्यासपिटावो

तुम चहत होत जो कामना काम मनकी इछामेट करम जो निरंजननाम् पांचनकै तजस्वारथ आपमैवापसमावो जवछूटै गही देह जै सैको तक सोहिया चरनदास एहि मुक्ति गुरु नै हमसो कहिया ९४ दोहा देहमरनु अमर पारब्रह्म माहै मोय अज्ञानी भटकत फिरै लषै सोज्ञानी होय ९५ देहनती तु अंस्मैहै अविनासी निर्वान नित्यारोतु देहै करम सभ जांन ९६ डोलनबोलन सोवनो भस्वनकरण अहार दुषसुषमे भुनरोगसमगारमी सीतलनिहार ९७ जानवरनकूलदेह कीसुरनमुरननाव ऊपजै विनसै देहसो पांचनमैकेगाव

सो ॥९८देह

त ४

६८ पावकपानीपाइहैधरनीश्रोरश्राकास॥पांचपचीसो
देहसंगगुनतीनौहैसान घटकपाछसौजानियेकरनहैऊ
तपान ७०॥पांचतनकेकोटमेश्रायकियेतेवास ६६
डीभ्पाइंद्रीनीरकीनभकीइंद्रीकांन नासाइंद्रीधा
नकीकस्वीवारपहचान ७१ तुचाहैसोइंद्रीवायकी॥
पावकइंद्रीनेन इनकोसाधेसाधजोयदपावेसुषचेन
७२ नीरजभाईश्रालकसभूषप्यासजोहोय चरनदा
सपांचोकहीश्रगनततसोजोय ७३ रकतपीतकफतीस
रोविंदपसीनोजान चरनदासमकीर्नयेपानीसोपहिचां
न ७४ चांमहाडनाडीकहेरोमजांनश्रोरमास पीर

थीकीमकीर्त्तिपहं अंतसमनकौनाम ७५ बलकरनाअौर
धावनापस्पारनसंकोच देहवढैसोजांनीयेवायतत्त है।
सोय ७६ कामक्रोधमदलोभमभंततअकाससकौभाग
नभकीपांचौजांनीयेलिनन्यारौनुजाग ७७ पांचपची
सोएकहीइनकौसकलसुभाव निर्विकारमोब्रंह्म।
हैआपआपकौपाव ७८ निराकारनिरलिपतत्तदेहीं
जांनअकार अपनीदेहीमानमतयहीज्ञानततसार
७९ समरछेदसकैनाहीगुरुगमभेदनिहार उलेक
टेकायायहीवैनेमिटैफिरहोय ८० जीवअवनासी।

१८

नितहैतुचाज्ञानश्रोरकान पांचोइंद्रीज्ञानहैजांनैजांन
सुजान ८१ गुदालीगमुषनीमरौहाथपावलषलेय पां
चौइंद्रीकरमहैयहीविकारहियेदेहि ४२ प्रथ्वीनामअ
स्थानहैयहीविकारहियेदगूदाजानियेद्वार पीरौरंगजा
नियहैपीवनषानअहार ८३ पीतमैपावकरहैनैनजा
नीयेद्वार लालरंगहैअगनकौमोहलोभअहार ८४
जलकौवासाभलैहैलिंगजानियेद्वार मैथुनकरमअ
हारहैधोलोरंगनिहार ८५ पवननाभमैरहजहैनासा
जानोद्वार हरोरंगहैवायकौगंधसुगंधअहार ८६

आकाससीसमैवासहैसरनद्वारज्ञान सब्दकुसब्दुअहा
रहैताकौस्यामपहिचान ८७ कानसुछमलिंगहैऔर
कहिपतस्थूल सरीरवासौजानियेमैमेरीजटमूल
८८ चितबुधमनअहंकारजोअंतसकरनसचार आ:
ज्ञानज्ञानसौंरियेकरिकरिमीतविचार ८९ सबदसपरस
औरगंधहैऔरकहीयेतरसरूप देहकोमतनमातराहूकही
पतनिरूप ९० निराकारअद्वैअचलनिरबासीतूजीव
निरालंबनिरवैरसौअजअविनासीसीव ९१ बावौको:
गअगनकौदहनौजलप्रसार मनहिरदैअस्थानहैप
वननाभमैवास ९२ मूलकवलदसचारकौलालपै

१६

षरीरंग गोरी सुजवासा कियो ध्यपसै जाप इक्कान्नैग ९३ कंव
लचट्दलपीपरैवरननाभीतलैसंभाल षट्सहस्रजापजप
लैब्रह्मासावीत्रीनाल ९४ दसपैषरीकवललैहैलालवरन
हैनाभ विस्नलछमीवासकीनाषट्सहस्रजाप ९५ अन
हदचक्रहिरदैरहैद्वादशदलअैरोसेत षट्सहस्रजापजप
लैशिवसकनजहाहैत ९६ षोडशदलकोकवलहै कंठ
वासससिमूप जापसहस्रजहांजपैजोतिसभेदलहै अगिनू
प ९७ अगनचक्र दोदलकवलत्रिकूटीधामअनूप जपसह
स्रजहांजपैपावैजोतिसरूप ९८ दससहजासको कवलहै गग
नमंडलमैवास जवसहस्रजहांजपैतेजपुंजप्रगास ९९

जोगजुगतकरपोजलैसुरतनिरतकरचीन दसप्रकारअनह
दवजैहोपजहालोलीन २९० कुंडलीया एकभवरंगुजा
रसीद्वितीयैसंषधूनिहोय तीजैमध्रदंगकाचौथेतालहै
सोय पांचैवैघंटावाजैछठैमुरलीनाद सातवैमेरजुगाजैआ
ठवैवाजैदुंदभीसिंघगर्भनानैावा दसवैवाजैघुंघुरुचास
दासमुनलो १ दोहा दसप्रकारअनहदपुरैजितजोगीहो
यलीन इंद्रीयकमनवायकैचरणदासकहिदीन २
तीनबंधनैानाटकादसवाईकोजान प्रानअपानसमान
हैऔरकहियनउदान ३ व्यानवायऔरकीरकराकूर
मवाईजीत नागधनंजयदेवदत्तदसवाईरनजीत ४ नव

द्वारे कौ बांधकरउतिमनाडीतीन ईड़ापींगलासुषमनाकोलक
२० रैपरवीन ६ करेंगौप्रानायामकरकैनरगेयपजत अनेक
अनहदधुनकेवीचुमैंदेषेसहस्त्रलेष ६ पूरककरकुंभक
करैरेचकपवनजतार ऐसेप्रानायामकरसुछुमकौ आहा
र ७ धरतीबंधलगायकरदसवाईकोरोक मस्तकमा
नचढायकरकरैअमरपूरभोग ८ पांचोमुद्रासाधकरपा
वैघटकौभेद नाडीसकनचढायकैषट्चक्रनकौछेद
६ जोगजुगतकैकीजियेकैअजपाकोध्यान आपाआ
पविचारियेपरमगतकोज्ञान १० सुंदरवैससरीरहैब्रा
ह्मणआरजछूत वृंदावालाजनहीचरनदासओधूत

११ कायामायाजानियैजीवब्रंह्महैमीत कायाछुटमु
रतमीटैनूप्रमानमनजीत १२ पापपुंन्यआसातजोतजो
मनऔरथाप कायामोहविकारतजजपौसोअजपा
जाप १३ आपभूलानौआपमेवधौसोआपहिआप
जाकोदूटनुफीरतुहैसोतुहीआपहीआप १४ ईछादुइ
वीसारकरक्योनहोयनिर्वास नूनौजीवनमुक्तहैत
जौमुक्तकीआस १५ पवनभईआकाससोअग्नवाय
सोहोय पावकसौपानीभयौपानीधरतीसोय १६ धर
नीमीठेस्वादहैपानीस्वादसौनीर अग्नचिरपरेस्वादहैप
वोस्वादसमीर १७ षटामीठाचिरपराषारीयैमनहोय

२१

जवहीतनविचारियैपांचतनत्नमैकोय १८ स्वादनावऔरंगहै
औरस्वनाईचाल पांचतनकीपरषपहसाधपावतनकाल
१९ नीरकौनपावकचलैधरतीचलेचकोर संनरूभावआ
कासकौयोनीलावोगोल २० अग्नततगुनतापसीक
हीसजोगुनवाय पीरथीनीरसतोगुनीनमहैअग्नि रहैभाल
२१ नीरचलैजवस्वासमैरनऊपरचढमीन वैरीकौसीर
काटकैघरआवैरनजीत २२ पीरथीकेमगासमैजुध्यक
रनकौजाय दोदलरहैवरावरएहीहारवायमैहोय २३ अ
ग्नतनवहतहीजुध्यकरनकौजाव हारोहोयपडीतैनहीं
अवरस्रावैतनघाव २४ तनआकासमैजोचलैतौवह

हारहोयजाय रनमाहिकायाछुटै घरनहीदेषेजाय २५ ज
लननप्रथीकेजोगमैगर्भरहेसोप्रत वायननमैछोकरीऔर
होयसुतकसू २६ प्रथ्वीननमैगर्भजोरहैवालकहोइवैभू
प धनवंतासोजानिमैसुंदरहोयस्वरूप २७ आगननजव
चलनहैकवहीगर्भरहजाय गर्भगिरैमातादुषीहोयवाल
कमरजाय २८ वायननस्वरदाहिनोकरैपुरुषजोभोग गर्भ
रहैनौमासमैदेहीआवैरोग २९ आसनसंजमसाधक
रहषिस्वासकेमाहि ननमेदयोपाइयेविनसाधौकछु
नाहि ३० आसनपदमलगायकररएकवर्षनिजसाधै
वैठैलटैडोलनैस्वासाहीपैआराध ३१ मामीनास्का

२२

माहिकासोहं सोहं जाप सोई अजपा जाप है छुटै पूंन्य
रु अरु पाप ३२ भेद सबै रो देव बहुत है छुछम क हौं बना
य ताको समझ विचार लै अपनौ चित मन लाय ३३ ष
स्नटै गिरवर टै धरन टै सुन्न मीन सुषदेव पा गुरु की
सौं साध दया सौं ज्ञान ३४ चरनदास रनजीत ने कस्यो
सरीर दय ज्ञान छुप्प ज्यो हे सैसे जन्म है नाम रनजीत व
षानौ मुरली कौ सब जो न जान दूसरी पहिचानो ३५
बालक अवस्था माहि वहीर दील में आयो सन्नमि
लै सुषदेव नाम चरणदास धरायो ३६ जोग युगत हर
ध्यान कर ब्रह्म ज्ञान डिढ कर गहो आन मत तब विचा

31

सुसैचालैकोरी ७७ भोजनकौरैकौरै अ्रसनानामैथुनक
रमैमानमध्याना वहीलिषैकीजै आहारगजघोडावाह
नहथियारा ७८ विद्यापढेनानाइजोसाधैमंत्रसिद्ध्या
नऔराधै वैरीमदनगवनजोकीजै औरकाहकैौ
रिसाजोदीजै ७९ रिनकाहूपैजोतुमागैविषऔरमूतक
नारनलागै चरनदासमुषदेवविचारी एचारकाममभा
नकीनाउी ८० दोहा चरकारजकौमानहै थिरका
रजकौचंद सुषमनाचलतनचालीमेतहाहोयक:
छूटंद ८१ गावपरगनाषेतपुनरघरऊघरकौमीत

३

सुषमना चलत न चालीये बरजत है रनजीत ८२ छी
न बावै छिन दाहिनै सोई सुषमन जान ढील लगै कै र
ना मिलै कै काज की हान ८३ होय कलेस पीड़ा क
छू जो कोई कहीं जाई सुषमन चलत न चालीये दी
नै नो हिवताई ८४ जोग करौ सुषमना चलै तो आवै
आत्मा को ध्यान और काज कोई करै तो कछू आवै
हान ८५ पूर्व कूं नर मन न चलै तो बावै सुर परगास होन
होय बहु है रैना ही आवन की नहीं आस ८६ दहिनो
चलत न चालिये दक्षन पछिम जान जो रजाय बहु

33

रैनहीनहांहोयकछूहान ८७ दहनेस्वरमेजायइयेपू
रवउतराज सुषंसंपन आनंदकैरसभैहोयसुभका
ज ८ वांऐस्वरमेजाइये दछिनपछिमदेस सुषआ
नंदमंगलकैजोरजायपरदेस ८९ दहनेसेतीआ
पकरवावैपूछैकोय जोवावैसुरबंधहैसुफल
काजनहींहोय ९० वांवैसेती आयकरदहनेपूछै
कोय जोदहनासुरबंधहैकारजअफलबताय
९१ जवसुरभीजरकोचलैलोडौकरपूछैकोय पेज
बाधवासैोकहोमनसापूरनहोय ९२ जवसुरवाह

१०

रकौ चलेकारजघटैजोर वाकूं ऐसी भाषिजै नहीका

रजविधकोप ९३ वावैकारंवटसोइयेजलवावैसु

रपीव दहनैसुरभोजनकरैनवसुषपावैजीव ९४

दहनैपीवैनी वावैसुरभोजनकरै [illegible] दसदिनभू

रा।३॥ लाजो करै आवैरोगसरीर ९५ दहनैसुरफाडैफीरै

वावैलघुंसकाय जुगता ऐसे साधियेदीनोभे

दवताय ९६ चंदचलावैद्योसरातचलावैसूर

नीतसाधन ऐसैकरैहोयअमरभरपूर ९७ पां

चघडीपांचोचलेसोईदहनाहोय दससासासुष

मनचलैव [illegible] नाहिविचारौंसोय ९८ आठपहरद
हनोचलैवदलैनाहीजोपौन तीनवरसकायारहैजीव
कौंरैफिरगौन ९९ सोलापहरचलैजभीस्वासपिंगलामा
हि जुगुलवरसकायारहैपाछेरहमानाही १०० पाच
राति अरुपांचदिनचलैदाहहैनेस्वास संवतभरकाया
रहैपाछेहोयफिरनास १०१ सोलाहदिननीसदीन
चलैस्वासभानकीओर अवजानईषटमासकि।
जीवजायतनछोड २ नवमक्रुटीसमैश्रवणापांचे
जाइकाजान तीननाकजीभ्याइकैकालभेदपह

वैपार यौंअनेकसोंभास्योएक एकैएकैएकअनेक
मतविस्वासगिननजोगनहु क्रमसोंलषचौरासीभनहु
अवदृष्टांतसुनाऊंयापर प्रगटदिषाऊंहस्तामलक
र जोकोऊपरनसंन्यासी निरपेछगतसवठांवासी इछा
रहतवसैसवठाउ जेतेदेसनगरपुनगाउं ठौरठौरवसक
हूनवसै निरपेछपरवीमेलसै जौताकोयहइछाहोर
यहकेमांडेगिरहीसोइ तायहकोजोकाचलगावै एक
अनेकहोइदिषलावै दोहा काचयहकूकरकूपहि
वालकअधिकडराहि वलीतज्ञनरसुषलहैजानआपु

१२

सुनीये जोकछुनिर्गुणकोगुणगुनीयै अफुरअगाध
मैब्रह्महैजोई आपसम्हारेईश्वरसोई आपस्थापभ
योअभिमानी आनंदभरयौमूलफुलसानी आपामूल
जीवसोभयो वौएकैअनेककैगयो ब्रह्मचेतनामाः
यालही पुनसोईकछुजाननकही नामायाकीविद्या
छाया जौनईसब्रह्मपदपाया विद्याउलटअविद्याभ
ई तातेईसजीवगलई अंगीकारमूलकाकरयो फूटै
हौनानावपुधरयौ देवयछगणगंधर्वभयो मानसपसु
पंछीकैगयो नागकीटनानाआकार अनगनगनतनपा

हींदेतदिषाई सत्यजदेवचक्रनभजान्यो ऊचीमतसै
ऐसौंमान्यो पंचप्रपंचषानसवलही जानकुचतुरषान
विषयही षानषानप्रतजेवपुगने तेसवपांचतत्वकेज
ने यथावुद्धतैसोकछुमनना नातरञ्चनगनभैक्यागन
ना अथब्रह्मविवर्तकथ्यते चौपई पंचप्रपंचरूपस
वमाया ब्रह्मस्वरूपरूपकीछाया जेब्रह्मांडलोकवपु
कहै तेसवजडमायासैलहै [illegible] मायाएकअनेक
भईज्यो फैलपरीअपुनीजडतासौं त्यौंएकैचैतन्यनि
रंतर भास्योहोइअनेकस्वंतंतर सोअवज्ञानअवरासौं

११

छ मापीअनभोजोतकहछ इनपांचोमिलभयोपसारा मा
यारूपनामविस्तारा रचेकोटब्रह्मंडतहांही अनगनलो
कवसैतामाही पुनवपुभांतभांतकेवने लोकलोकप्रत
जाननगने अथपंचभूतात्मकनिरूपण चौपई अचरज
कौतुकओरसुनाऊं तत्वतत्वप्रतिष्ठानदिषाऊं उद्भुज
इत्यादिकसबमही विद्यमानलषमानहुसही स्वेदज
जूकादिकजलजानहु कछुब्रह्मांडपिंडकछुमानहु
कछुब्रह्मांडपिंडकछुमानहु जेरजमानसादिवपुजेते
प्रगटतेजरूपहैतेते अंडजपंछीगगनसबबाई सोमतछ

कीटेका माटीमैंसमतासौंआए अईभागमैजेसैपाए
चारौंउाररहेमिलयहरूप लहियैप्रगटविषम तातहू
प घटवटहोइमिलेअपमांहि भागभावतैपाएजांहि
जौकोऊयहसंसैपावै एतीपुद्गलकोनविधिमपैं ताकौं
ऐसैकहिसमझावहु हस्तामलकरप्रगटदिखावहु प्रभु
केनैननतनउद्यारौ सकलजगतनैननकौतारौ ताकौउ
देश्रलगतपाइ छायामापकालुठहराइ निश्चैदेषवुद्द
करमानी ऐसैंयहमहकीमितठानी ज्यौंमहतेरमृतपुन
त्योंही रसगुणभाववढाएयोंही योंयहपांचभूतकीरु

१०

तकोंठोरनछोर सोवर्तुलमैकुंटनठोर पांचभूतमैभी
तरमही तातेसोसबमैघटसही सोईमहीगेरकाकार
तापरस्रगटविश्वविस्तार ओईएकभागमहिमानी सो
ईपांचभागयोजानी आधीमहिनिजआपनहैये आ
धीभूतचारमेपैये चारभूतमहिमैसमपरे मिलेपरस्परस
मगतठरे ऐसेभूतपरेसमजहां उपजैसबकछुताते तः
हां गगनपौनमाटीमेजेता जलतेऊपरराषेतेता अंसव
तुर्थरहेजलऊपर तीनअंसडूबीजलमैंधर तेजनीरमि
लमाटीस्योंही पंचोभूतएकमैंएक हैनभमाहिसकल

नहुच्यारभूतमितत्यौंही इसगुनअधकएकातेएक ऐसैं
भूतअनुभवकीटिक औरवषानौयुक्तअभूत जैसैं
भूतभागकोसूत निश्चैविमलवुधकरमापहु दससह
सभागनभयापहु नभअडोलमैजाकोगोन एकसह
सभागहैपोन तामैतेजभागशतभयो त्यौंदसभागनीर
होइगयो सवमैंएकभागहैमाटी क्रमतैभूतभागपरपा
टी अधकएकएकातेंज्यौंही इसगुनघटपुनजानहु
त्यौंही एकएकपरपंचाकने ऐसेपांचभूतकीढने पाच
भूतअवगतमौभयो तामैंएवतुलहोइगयो जोंअवग

९

गुनलह्यौ अवघनकहौंमहीकेतेता लेषाकीयैं
उपजैजेता एकषर्वचौतीसअर्वज्यौं पुनअठानवै
कोरगनह्यौं तापरवासठलाषवषानहु सहस्रपची
सआठमैमानहु पुनपचानवैकूछअंसगन ऐतको
ससकलमहिकोधन सकमैलह्यीयहएकवषानहि
एकएकदीपमितमानहि एतीगननांपृथ्वीकोघन
गिनकरभाषसुनावहु बुधजन जिहिमितमानहुजेती
मही तातेंनीरदसोगुनसही पांचभूतमैमूमितज्यौंहीजा

जवमापकु एताएककोसतवथापकु एताएककोस
तवथापकु ऐसेकोसमहीहैजेती मननाकमस्योभा
यौतेती वीससहस्रपर्थ्येहैजाको अवसुनव्यासवषा
नैताको षटसहस्रतीनसतड्योंही कछुकअंशते
सटपरस्योंही एताव्यासपर्थसोंगनकु जेतेहोहिको
सतैसुनकु वाहरकोउवहतरलाष तापरसहसवहत
रभाष पुनसतसातसताईसताषर कछुकअंसएकोश
गनकु धर दहदसमहिकोऊपरकह्यो जेतापर्थव्यास

१४

३५ होनीसुखकौसोचकरखासामनमेरा मेदखरोहैया
कारजनवकाहहैसोभाष ३६ जोरनऊपरङाईयेदहैनसु
रपरगास जीनहोपहौरेनहीकैरैसत्रुकौनास ३७ दुरज
नकौसुराहिनोतेराहाहनोहोय जोकोइपहलेचढै
घेनजीतहैसोय ३८ सुषमनचलननचालियेजुध
कारनसुनमीत सीसकटावेकैफसरहैदुरजनकोहो
यकजीत ३९ जोवावेस्रीपीचलेचढआवेकोईभूप
आपवैठहलपेलीयैवातकहतहोगुप ४० [illegible]लमथी

जं२

सरमैचलैसुनोकानदैवीर सुफलकाजदोनोकरैके

सागेभान साज्ञुजमुकतसोईलहैपावैपदनिरवान ३०
छलपछकेमध्यमैदछायनहोयजोभान जोगीवपुनः
हीछांडियैराजाहोयफिरन्मान ३१ राजपाइहाभक्तक
रसरवलीपहिचान जोगयुगजवावैवोदूरहुसरीमुक्त
निदान ३२ ऊतरायनसूरजलषैसुकुलपछकेमाहि
जोगीकायाछोडियैयामैसंसौनाहि ३३ मुकतहो
यवहुरेनहीजोवबीजमिटिजाय बूंदसमुदरमिलर
हैहूतायानाठहराय ३४ दछायनसूरजवलैरहैमास
षट्ज्ञान फिरऊतरायनजायकरहैमासषट्ज्ञान

१३

नाकीयोगगनमंडलकौजान आवनजानौकाल
जबकहाकरैअज्ञान २५ जोगध्यानकीनौनहीज्या
नअवस्थानमीत आगमदेषैकालकौकहासकै
वहजीत २६ कालजीतहरसौमीलैसुन्नमहअस्थान
आगैजिनसाधनकौजहनअवस्थाजान २७ का।
लखवषदीनेतभीजवैवानसबजाय जोगीमानकू।
नाहियेलेहसमाधलगाय २८ कालजीतजगमैरहै
भोजनव्यापैनाहि दशैद्वारकौफोरकरजबचाहैजब
जाय २९ सूरजमंडलचीरकर [illegible] जोगी।

न्नासिषरकौजाय १९ ईडापिंगलासाधकरसुषमनमेप
रगास परमजोतफिलमीलततहापूजेमनविसवास २०
जिनसाधनआगेकीऐनासोसमकछूहोय जवचा
हैजवहीतभीकालवचावैसोय २१ जरुनअवस्या
जोगकरवैठरहैमनजीन कालवचावैसाधवहअंत
सैमेरनजीन २२ सदाआपमैलीनरहुकारिकरिजोग।
अभ्यास आवनदैषैकालजवगगनमंडलकरवास
२३ सनइसनइसाधकराषैमानवहाय पूरोजो
गीजानियैताकौकालनषाप २४ पहिलेसाधन

१२

हीउमकीहोयनन्नास गगनमंडलकौजापकौरेकन
मनोबास १४ जहांकालनहीज्वालहे छुटैसकलसं
ताप होयउनमनीलीनमन विसरेआपाआप १५
तीनोबंधलगाईकर पाचवायकौसाध सुषमनमा
रगहोचलेहषदेषलआगाध १६ सकनज्ञायसोसोः
मिलैजहांहोयमनलीन महाषेचरीजोलगैजानेज्ञान
मवीन १७ आसनपद्मलगायकर मूलबंधकौबां
ध मेरुडंडसिधौकौसुरतगगनकौसाध १८ चंद्रसूर
दोसमकरैठोठीहियलगाप षट्चक्रकौवेधकरसुः

कास ऐकवासकायाग्है फिरैकालविसवास ९ दिनकै
मैाचंदापचैलेरातचलावैसूर यहनिहचैकरजानिपैप्रा
नगवनहूहूर १० रातेचलैसुरचंदूमेदीनकौसूरनला॥
व एकमहीनापाचलैछठैमहीकाल १० जबसाधू
कैसालपैछठैमहीनाकाल आगेहीसाधनकरैवैठ
गुफाजनकाल ११ ऊपरपैचेत्र्यापानकौप्रानत्र्यापान
मिलाय उत्तमकरैसमाधकौजाकौलनषाय १२
पवनपिवेज्वालापचैनभिनलैकरराह मेरडंडकौ
फौरकौवसैअमरपुरजाय १३ जहाकालपहुंचैन

११

[illegible]चान ३ भेदगुरूपाईयौ गुरुविनलहैनज्ञान चरनदा
सयोकहतहैगुरूपरवानप्रमान ४ ऐकमास औररैन
दिनमानदोहनेहोय चरनदाससयोकहतहैनरजीवै
दिनदोय ५ नारीजो सुषमना चलै पांचघडीठहरा
य पांचघडीसुषमनाचलैजवहीनरमरजाय ६
नहीचंदनहीसूरहैनहीसुषमनाचाल मुषसेतीरे
स्वासाचलैघरीचारमैकाल ७ चारदिनाकैआ
ठदिनबाराकैदिनबीस ऐसेजोचंदाचलैअवजा
नवठईस ८ तीनरातअरुरातदिनचलैतत्त्वआः

52

२०

दपांचदिनमाहि तातैकठनअस्थहोइजाइ अस्थ
माहिसैंमज्जाहोइ पांचदिवसमै निपजैसोइ शुक्र
होइमज्जातेंहोइ क्रमसोंनरशरीरमैसोइ सप्तधातरि
नएकतीसमैयैसै निपजपांचतत्वतैतैसे कर्मवेगतै
मूढदसाधर अमैजीवप्रतधातअहंभर अनगनआ
नजीवनरदेह पितापुत्रविधियोंलषलेह जवनरदेह
जीवयोंआवै तवनररतक्रीडाचितधरै + शुक्रधातव
लछोभवढावै + नषसिषकामकामनाभरै सातोकाम
चाहनमहैये आगेकहूंतहांतेपैये पुनस्पर्शसुषमैतर

53

जासोंसमसेहोइसबसृष्ट जबजलवृष्टघनेपरपरै तबना
नाऔषधधरधरै तेजपवनअवकाशपाइतब उपज
हिअन्ननिपजऔषदसब पांचतत्वमिलभयोअन्नयों
नाहिशरीरमिलहिकहोंत्यों॥ अथशरीरक्रमकथ्य
ते॥ तिनमैनरशरीरकीकथ्या भाषौप्रगटयथाकीत
थ्या जबनरमछअन्नकोंकरै पांचदिवसलोरसगतढ
रै तबरसपक्कदसाकोंपाइ जठरतेजश्रोणतहोइजाई
पंचदिवसलौश्रोणतरहै श्रोणतऔटमांसगतलहै
सोदिनपांचमांसकोंभेद तासोंहोइसचिकणमेद औटम

१९

ये श्रुतशास्त्रज्ञानमौज्यौंलहिये जीवपिंडसंजोगपरस
र निश्चैपुर्षप्रकृतभावधर पहलैंपिंडपिताकेंजैसें आ
वेजीववतावेजैसे कोऊदेहशब्दनभधार पैठेकर्मरु
ध्रकेंद्वार कोऊजीवस्वासकेसंग पौनदेहधरपरसौ
अंग कोऊतेजरूपवपुधरे नैनद्वारदेहमैपरे कोऊर
सजलकायापाई रसनकंठमगपैठेआई कोऊमहीगं
धवपुपावे नासाद्वारदेहमेंआवे एकएकतत्वतैंयोंही
क्रमसोंकहैजीववपुज्योंही पांचतत्ववपुधरैजीव
जो मायसुनोंऊंप्रगटतोहिंयो प्रभुकोरतमेघजलवद

चैगिरगहै मध्यआइमृतमंडलवसै नानापिंडभावधर
लसै जीवस्वरूपकाविस्तरभाष्यो जन्ममर्नपिंडपरए।
ष्यो।। अथजीवपिंडोत्पतवर्नन।। अवउत्पत्तिपिंडकी
कहौं साक्षभावसाछीपदलहौं जोअपारअकीहै
सोई ताकौंकृयानलागैंकोई आपेव्यापकआपेव्या
प आपैपततपतिनीपुनआप पुर्षप्रकृतभावसंसार उ
त्पतिइस्थितओरसंहार जवतैंपुर्षप्रकृतहैतवतैं सो
रुठासोरूफेकवतैं कवहूं.कैंपाहीकवहूकपोंही अ
कथकथ्यायहज्योंकीत्योंही जोअववर्तमानसोकहि

१८

ननमायाज्ञानी सोईअकथनजाइवषानी ज्ञानन
[illegible]हारज्ञानपुनसोई कैसेदुकुनवषानैकोइ
यहपर्योंतरपर्योंकहियै मायामाहिशक्तिविवलहियै
अचलऔरचलऐसैपेयै असीईशदेहब्रह्मंड जीव
पिंडसवअंसपछानकु डोलनशक्तिअविद्याचलै सर
अडोलवीचीगनहलै विद्यमानअचलहै पिंडसमू
हमाहिहलचलहै जीवअडोलआपनहिज्ञान्यो वि
विधपिंडआपकोमान्यो होयहपिंडकीजान अषक
रषडोलैविनुज्ञान ऊचैजाइदेववपुलहै नीचयानवी
मानकु विद्याअचलाअविद्या ५

हंकारकीदृष्टि जाकीसत्ताठठेरहै परमविवेकीऐसैंकहै
इनसबकोंमायाआधार सत्तावर्नभएनिर्धार सत्तावर्न
समनुकजैसें ज्योंब्रह्मांडपिंडमैंतैसें॥ अथब्रह्मईश्वर
जीवनिरूपनम्॥ एब्रह्मांडपिंडसबमाया पांचतत्वकोषे
लवनाया यहब्रह्मांडईसकोदेह पिंडजीवकोंत्योंलषे
लेह ष्टरनसतकनिरंतरचिद्घन ईश्वरएकअनेकजीव
गन चिद्घनब्रह्मनिरंतरमाही ईश्वरजीवकहनकछुना
ही एकअनेकतहानहिगनना नाहीतहाअचलचलमन
ना हैंऐसाऐसेहीमान्योंजननहारआपकोजान्यों ऐसीजा

२

यै कैसें ताहि अष्ट लघु कहियै जद्दपन मकों ऐसै जा
न्यौं शब्द मात्र लघु अष्ट बषानौं लघु धुन मधुर अना
हद है यै उर्धसुन सुषमा हि समयै अष्ट शब्द अधिसो
हीं होइ कोटि भेद नाद सम सोइ ज्यौं ऊर्ध अध ज्ञान
हु त्यौं ही क्रम सों पांच तत्व कों पोही यह जे तो विस्तार
बतायो सो ब्रह्मांड मांहि सब पायो॥ अथ ब्रह्मांड सप्त
वर्नं कथनं॥ या ब्रह्मांड गोल नें दस गुन माटी को आ
वर्न कहै सुन पुन दसगुन ज्वाल अति उज्जल ज्वाला
दसगुन पौन बषानैं पाच भूत पांचो आवर्न तिन पर अ
२+ ग्यौं ही ता ते जल जल दसगु[illegible]
१+ पुन दसगुन ता तें नभ मानै +१

59

ही [illegible] ग्रहभावअग्रधजलतकरहै पर्मविवेकी
ऐसेंकहै लघुतातैंरसभावनीरधर मेघहोइनभ
माहिरह्योभर ग्रहभावतैंरहैमहीतल अथऊर
धयौंभयोदुधाजल रूपभावलघुतेजप्रकास्यो
सकलनिछत्रहोइनभमास्यो ग्रहभाववडवान
लभयो देषोजलतैंनीचैंगयो सप्तचक्रनभमैंलघु
पौन उडगनकोतिनतैंनिजगौन ग्रहभाववडवान
लतैंले कंपपाइजातैमहिहले चारोभूतभयोनभमा
ही नभतेंन्यारोकोईनाही नभसवमाहिनिरंतरलहि

68

१८

वर्नेनं वृक्षादिकवनास्पतिजेती प्रभुकीरोमावलहै
तेती महीमांसअस्थपाषन नानाशैलतानारीजान मे
घटघटदेवकोरत विविधजीवदेहकोहेत सकलप्रक
तसकलआवेव योहीपूस्योपूरनदेव पांचोभूतप्रगट
एजोंही ज्योंब्रह्मांडपिंडमैंत्योंही अथभूतदुविधिव
र्नेनं चौपइ औरवषानौयुक्तभूत जैसैपाचभूतकोसू
त पांचभूतकैदेहैभाव ग्रष्टऔरलघुवन्योवनाउ ग्रष्टभा
वतेंनीचंभाषो लघुताजेऊचैलेराषो
गधभावलघुऊरधमही मेघप्रजंतजानीयेस

चतुर्थप्राणसो जलहिमुषावै कवहूंइतकवहूंउतधावै
पंचमसोऽपान अधिष्टरै इंद्रवज्रवृष्टधरपरै क्रमसों
पंचप्राणभाषेलों विद्दमानब्रह्मंडमाहिजेपों अथब्रह्मां
डाभिमान पंच ज्ञानेंद्रियकथनं दिगपुनपवनतत्वउज्या
रा [illegible] वर्नंणोर अस्वनीकुमारा पां
चैदेवप्रगटपहचानहु प्रभुमेंज्ञानेंद्रीएजानहु अथ
ब्रह्मांडाभिमानपंचकर्मेंद्रियकथनं चौपई दुहणाशक्र
पुनवावनहैयै पुनःप्रजापतनैरतपैयै. पांचदेवकर्मेंद्री
यही अक्षीमांहिहरयोसही अथब्रह्मांडाभिमानदेहांस

नमानकुमाई सुषसंकल्पवेगसुषदाई वुधविरंचवि
१५ श्वकोकर्ता निश्चैसरूपभावरजधर्ता नारायणचितराष
कु ऐसे सत्तरूपप्रतपालकजैसे महादेवनिजअहंका
रधर् जगकोंसंहारेतामसकर क्रमसोंअंतःकर्णपांच
ए सर्वेश्वरमेवजानतहैंजो अथब्रह्मांडाभिमानपंचप्राण
कथ्यंत पांचस्थानतेएकैपौन तिनकीभिन्नभिन्नतिद्रुणो
न मध्यमैंव्यानअचलनमाहि डोलाएविनुडोलेनाहि
दुतीयसमाननिरंतरहलै अतवलधरआधीकैचलै
तृतीयउदानऊरधगतसोई नातैप्रगटववलाहोई

कहीये पंचमदधषष्टमपैलहीये सप्तमउदधमुद्जल
ज्ञानकु सप्तसिंधुक्रमसौंयोमानकुं चौदहमौनसिंधुपुन
सान यहब्रह्मांडएकविज्ञान देहस्थूलदेवकोयही वि
द्दमानलषमानकुसही अतऊचावैकुंठस्थान सोईसी
सगुरुदेवकोज्ञान जोनीचानीचैतेलहिये सोपातालपाद
तलकहिये अंडाकारदेवकोदेह तामैंलोकसकलः
लषलेह अथब्रह्मांडाभिमानिदेहांसवर्नेनं चौपई
अवतामैंइद्रीगणगनौ सर्वदेवदेवमैमनौं महाविस्नु
प्रभुजगउधनें आयः अपनोअंतः करन सौमविस्नुम

हैमहातल त्योंहीतातेंतलैरसातल पुनिपातालसक॰
लतलमनहु सातलोकनीचेंयोगनहु अथसप्तद्वी
पवनन सप्तद्वीपदृधजानहु त्योंही तेब्रह्मंडदरमैंयों
ही तेतेतोहिवताऊंतैसै भिन्नभिन्ननामहैजैसै जंबू
पिलुषसालमलजानहु पुहकरसप्तद्वीपएसै सुनपु
रानमतमानीजैसै जोसवकोरउदधमैहोइ चक्रावर्त
द्वीपहैसोइ अथसप्तसमुद्रवर्नन अवत्योंहीसमुद्रजे
सात भाषसूनाऊंतिनकीवात प्रथमसमुद्रषारज
लहैयै दुतीयसमुद्रऊषरसपैयै तृतीयमद्दमधुचौथा

कथा भाषाप्रगटयथाकीनथा अथब्रह्मंडवर्नंनं
भौनचतुर्दशयहब्रह्मंड तामैष्टशीदेवअषंड चौदसमैं
जेऊचेसात तिनकीसंज्ञायौंविज्ञात अथसप्तलोकव
र्नंन भूलोकभूर्लो कवषानहु पुनिसुर्लोकतलोकीमा
नहु तापरमहर्लोकअवधारहु पुनितापरजनलोकवि
चारहु पुनतपलोकतासपरलहो सत्यलोकसातयोंक
हो अथसप्तपातालवर्नंन चौपई सातलोकजेनीचेये
यहि तिनकेनामप्रगटयोंगयहि प्रथममहीतलऔर
अतलसुन सुतलतलातलतातेंअधिपुन तातैनीचेक

व ४

१२

नह्यांहि चौपइ पुनदृष्टांतविमलयाहीपर वुधजन
योंभाषतनिश्चैकर जैसेनभअंतऊरधहैयै नभऊ
रधअधकवहूंनभयो जलमैप्रतिविंवतअधिपैयै
नभऊरधअधकवहूनभयो जलप्रसंगअधिसोह्वैग
यो सोईपरस्यौगगनमैजव ततछिनएकअनेकभयोत
व पुनसोईतरंगरंगमग्यो अतअडोलडोलनसोलग्यो
दोहा जौनभसैमहिसैभयोघटमठभेदअपार वलीप
मैचातन्यत्योंअहंभावविस्तार चौपई क्रमस्योंजोविस्ता
रवषान्यौ ब्रह्मविवर्तसर्वसोजान्यौ पुनिब्रह्मंडपिंडकी

66

[OrderDescription]
,CREATED=21.10.20 16:10
,TRANSFERRED=2020/10/21 at 16:19:21
,PAGES=67
,TYPE=STD
,NAME=S0004325
,Book Name=M-1491-CHITILAS
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF

FILE19=00000019.TIF
,FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,FILE23=00000023.TIF
,FILE24=00000024.TIF
,FILE25=00000025.TIF
,FILE26=00000026.TIF
,FILE27=00000027.TIF
,FILE28=00000028.TIF
,FILE29=00000029.TIF
,FILE30=00000030.TIF
,FILE31=00000031.TIF
,FILE32=00000032.TIF
,FILE33=00000033.TIF
,FILE34=00000034.TIF
,FILE35=00000035.TIF
,FILE36=00000036.TIF
,FILE37=00000037.TIF
,FILE38=00000038.TIF
,FILE39=00000039.TIF
,FILE40=00000040.TIF
,FILE41=00000041.TIF
,FILE42=00000042.TIF
,FILE43=00000043.TIF
,FILE44=00000044.TIF
,FILE45=00000045.TIF

FILE46=00000046.TIF
,FILE47=00000047.TIF
,FILE48=00000048.TIF
,FILE49=00000049.TIF
,FILE50=00000050.TIF
,FILE51=00000051.TIF
,FILE52=00000052.TIF
,FILE53=00000053.TIF
,FILE54=00000054.TIF
,FILE55=00000055.TIF
,FILE56=00000056.TIF
,FILE57=00000057.TIF
,FILE58=00000058.TIF
,FILE59=00000059.TIF
,FILE60=00000060.TIF
,FILE61=00000061.TIF
,FILE62=00000062.TIF
,FILE63=00000063.TIF
,FILE64=00000064.TIF
,FILE65=00000065.TIF
,FILE66=00000066.TIF
,FILE67=00000067.TIF
,